झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद्
जे.एस.सी.ए. स्टेडियम रोड, सेक्टर-3,
धुर्वा, राँची -834 004
दूरभाष .0651-2444501, 2444502,
फैक्स-2444506
ई-मेल:jepcranchi1@gmail.com

An ISO 9001:2015 certified

पत्रांक JEPC/ME/01/1209/2023/1679 दिनांक : 21-05-2024

प्रेषक,

आदित्य रंजन, भा.प्र.से.
राज्य परियोजना निदेशक।

सेवा में,

सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी-सह-
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
समग्र शिक्षा, झारखण्ड।

विषय : **Mission LIFE एवं Eco Club से संबंधित गतिविधियाँ 5 जून से 12 जून 2024 तक आयोजित करने के सम्बन्ध में।**

प्रसंग : सचिव, शिक्षा मंत्रालय, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, भारत सरकार का पत्रांकः DO No-10-1/2024-EE-12 (Eco Club) दिनांकः 01 मई, 2024

महाशया/महाशय,

उपरोक्त विषयक एवं प्रासंगिक पत्र के आलोक में कहना है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 इस बात पर जोर देती है कि तेजी से बदलती दुनिया में अच्छे, सफल, अभिनव और अनुकूल इंसान बनने के लिए सभी छात्रों को कुछ विषयों, कौशल और क्षमताओं को सीखना चाहिए। इनमें शामिल हैं; जल और संसाधन संरक्षण, स्वच्छता और सफाई सहित पर्यावरण जागरूकता। इस सन्दर्भ में राज्य स्तर पर व्यापक रूप से प्रोजेक्ट इम्पैक्ट कार्यक्रम भी संचालित है, जिसमे विद्यालयों में साफ़-सफाई, स्वच्छता एवं पर्यावरण सम्बंधित गतिविधियाँ शामिल है, जिसका प्रभाव विद्यालयों में सकारात्मक रूप से पड़ रहा है। विद्यालयों में "इको क्लब" समग्र शिक्षा के तहत एक पहल है जो छात्रों को सार्थक पर्यावरण अनुकूल गतिविधियों और परियोजनाओं को अपनाने में सक्षम बनाता है।

मिशन LIFE (Lifestyle for Environment) एक वैश्विक आंदोलन है जो पर्यावरण के संरक्षण के लिए टिकाऊ जीवन शैली और संसाधनों का सोच-समझकर उपयोग को बढ़ावा देता है। इको क्लब की गतिविधियों के एक भाग के रूप में, यह सुझाव दिया गया है कि आगामी गर्मियों की छुट्टियों के दौरान आपके विद्यालय के पोषक क्षेत्र में **"मिशन लाइफ के लिए इको क्लब"** थीम पर समर कैंप आयोजित किया जाय। गतिविधियों को आदर्श रूप से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुरू किया जाना है, जो हर साल 5 जून को मनाया जाता है एवं 12 जून तक गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी । इस वर्ष के लिए विश्व पर्यावरण दिवस की थीम **"Land Restoration, Desertification and Drought Resilience"** है। इस थीम को ध्यान में रखते हुए एक सप्ताह के लिए समर कैंप आयोजित किए जाएँ और 'मिशन लाइफ' के सात थीमों में से प्रत्येक को एक दिन समर्पित किया जा सकता है:-

1. **Adopt Healthy Lifestyle** (स्वस्थ जीवन शैली अपनाए)
2. **Adopt Sustainable Food Systems** (धारणीय खाद्य प्रणाली अपनाएं)
3. **Reduce E-Waste** (ई-कचरा कम करें)
4. **Reduce Waste** (अपशिष्ट कम करें)
5. **Save Energy** (ऊर्जा बचाएँ)
6. **Save Water** (पानी बचाए) और;
7. **Say No To Single Use Plastic** (सिंगल यूज प्लास्टिक को न कहें)

यद्यपि 5 जून को विद्यालयों में गरमी की छुट्टी घोषित है, अतः विद्यार्थी अपने-अपने घरों से इन गतिविधियों को संचालित करेंगे। साथ ही छोटे-छोटे समूह में प्रोजेक्ट वर्क करेंगे। सभी वर्ग शिक्षक इसके लिए बच्चों को आवश्यक मार्गदर्शन करेंगे तथा whatsapp के माध्यम से गतिविधियों की प्रगति का अनुश्रवण भी करेंगे। विद्यालय खुलने के पश्चात सभी समूह अपना अपना प्रोजेक्ट वर्क प्रस्तुत करेंगे।

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद्
जे.एस.सी.ए. स्टेडियम रोड, सेक्टर–3,
धुर्वा, राँची –834 004
दूरभाष .0651-2444501, 2444502,
फैक्स–2444506
ई–मेल:jepcranchi1@gmail.com

An ISO 9001:2015 certified

ग्रीष्मकालीन शिविरों के दौरान विद्यालयों में की जाने वाली गतिविधियाँ

विद्यालय छात्रों के स्तर/ग्रेड के अनुसार निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित करेंगे, यह केवल ग्रीष्मकालीन शिविरों के दौरान ही सीमित न रहें, बल्कि आगे भी समय–समय पर चलता रहे। सात थीमों में से प्रत्येक को एक दिन समर्पित किया जा सकता है।

- **स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं (दिनांकः 05.06.24, बुधवार)**

✓ छात्रों के लिए आस–पास के पारिस्थितिक तंत्र में प्रकृति की सैर का आयोजन करें, जिससे पर्यावरण संरक्षण प्रथाओं के बारे में सीखा जा सके।
✓ क्षेत्र विशिष्ट वनस्पतियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए वृक्षारोपण अभियान चलाएं।
✓ आस–पास के गांवों/स्थानीय पर्यटन स्थलों का अन्वेषण दौरा। कक्षा को समूहों में विभाजित किया जा सकता है और कार्य दिए जा सकते हैं। स्थानों की खोज और चर्चा करना ए) पारिस्थितिकी, बी) इतिहास, सी) भूगोल, डी) रीति–रिवाज और परंपराएं ई) हस्तशिल्प आदि,

मीट्रिक; लगाए गए पौधों की संख्या, आयोजित यात्राओं की संख्या।

- **धारणीय खाद्य प्रणाली अपनाएँ (दिनांकः 06.06.24, गुरुवार)**

✓ स्कूल परिसर के भीतर किचन गार्डन बनाने, पुनर्जीवित करने और प्रबंधित करने के लिए छात्रों को शामिल करें।
✓ यदि स्कूल के पास आवश्यक खाली जमीन नहीं है, तो किसी भी उपलब्ध स्थान पर पौधे उगाने के लिए पुरानी बाल्टियों, प्लास्टिक की बोतलों और मिट्टी के बर्तनों के उपयोग को प्रोत्साहित करें।
✓ जगह बचाने के लिए Climbers प्रकृति के पौधे लगाएं।
✓ किचन गार्डन के लिए स्कूल के गीले कचरे से बनी खाद का उपयोग करें, जिससे रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों से बचा जा सके।
✓ छात्रों को कचरे का उपयोग करके पर्यावरण अनुकूल कीटनाशक बनाने के लिए प्रोत्साहित करें।
✓ परिसर में उगाए गए पौधों और हर महीने कितनी उपज होती है, इसका रिकॉर्ड रखें। उपज का उपयोग आंतरिक रूप से पीएम पोषण भोजन, या छात्रों और कर्मचारियों के बीच वितरण के लिए किया जा सकता है।
✓ छात्रों को इन्हें शामिल करने से आजीवन स्वास्थ्य लाभ और पर्यावरणीय लाभ दिखाने के लिए इको फ्रेण्डली फैंसी ड्रेस जैसी रोमांचक प्रतियोगिताओं का आयोजन करें उनके आहार में सुपर अनाज शामिल करें।
✓ छात्रों को इन पहलों से मिली सीख को अपने घरों तक ले जाने और उन्हें दोहराने के लिए प्रोत्साहित करें।

मीट्रिक; बनाए गए किचन गार्डन की संख्या, उत्पादित जैविक उत्पाद की मात्रा (किलो)

- **ई–कचरा कम करें (दिनांकः 07.06.24, शुक्रवार)**

✓ इलेक्ट्रॉनिक कचरे के उचित निपटान और पुनः उपयोग के लिए ई–कचरा संग्रहण अभियान संचालित करें।
✓ पुराने इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स को छोड़ने के लिए स्कूल में ई–कचरा संग्रहण केंद्र स्थापित करें।
✓

झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद्
जे.एस.सी.ए. स्टेडियम रोड, सेक्टर–3,
धुर्वा, राँची –834 004
दूरभाष .0651-2444501, 2444502,
फैक्स–2444506
ई–मेल:jepcranchi1@gmail.com

An ISO 9001:2015 certified

मीट्रिक; स्कूल में बिजली के बिल में कमी, उत्पादित सौर ऊर्जा की इकाइयाँ (स्कूल में सौर पैनल स्थापित होने पर)

- पानी बचाएं (दिनांकः 11.06.24, मंगलवार)

✓ स्कूल में पानी की बर्बादी को रोकते हुए छात्रों को सक्रिय रूप से शामिल करें।
✓ फ्लश सिस्टम, नल और पानी के पाइप में लीक की जाँच करें और इको–क्लब शिक्षक प्रभारी को रिपोर्ट करें।
✓ छात्र अपने शिक्षकों के साथ पास के भंडारण प्रणालियों से पानी इकट्ठा कर सकते हैं और पानी की शुद्धता का परीक्षण कर सकते हैं। स्कूल की प्रयोगशालाओं में उचित व्यवस्था की जा सकती है।
✓ समुदाय के साथ मिलकर जल संरक्षण रैली का आयोजन करें। छात्रों के दादा–दादी, नाना–नानी, आदि को स्कूलों में बुलाया जा सकता है, जहां वे अतीत में अपनाई गई जल संरक्षण प्रथाओं को साझा कर सकते हैं और छात्रों को पानी बचाने की दिशा में और अधिक सक्रिय कैसे बनाया जा सकता है।
✓ वर्षा जल संचयन प्रणाली और इसके लाभों के बारे में जागरूकता सत्र आयोजित करें।

मीट्रिक; कई लीक का पता चला, एक सप्ताह में पानी की खपत में कमी आई।

- सिंगल यूज प्लास्टिक को ना कहें (दिनांकः 12.06.24, बुधवार)

✓ सभी छात्र एवं शिक्षक "प्लास्टिक को ना कहें" प्रतिज्ञा लें।
✓ स्कूल परिसर में प्लास्टिक ऑडिट का आयोजन करें
✓ उपयोग की जाने वाली एकल उपयोग प्लास्टिक वस्तुओं की एक सूची बनाएं
✓ पर्यावरण–अनुकूल विकल्प खोजें जैसे। प्लास्टिक कप के बजाय स्टील के मग, और प्लास्टिक की पानी की बोतलों के बजाय पुनः प्रयोग होने वाले पानी की बोतलें।
✓ गतिविधियों के माध्यम से हमारे ग्रह पर एकल उपयोग प्लास्टिक के खतरनाक प्रभाव के बारे में जागरूकता पैदा करना। पोस्टर बनाना, वाद–विवाद, नारा लेखन, निबंध लेखन आदि।
✓ स्कूल के नोटिस बोर्ड पर अच्छे से अच्छे पोस्टर लगाएं। (दृश्य प्रभाव)
✓ छात्र एकल–उपयोग प्लास्टिक वस्तुओं के प्रभावों को दर्शाने वाले स्कूल नोटिस बोर्ड पर दृश्य प्रदर्शन बनाने में शामिल हो सकते हैं।
✓ जूट बैग का उपयोग, एकल उपयोग प्लास्टिक को न कहना, स्थानीय और प्रकृति के अनुकूल सामान खरीदने आदि जैसी पर्यावरण अनुकूल आदतों को अपनाने के लिए समुदाय को जागरूक करने के लिए जागरूकता अभियान।

मीट्रिक; एकत्रित एकल उपयोग प्लास्टिक की मात्रा, बदली गई प्लास्टिक की पानी की बोतलों की संख्या आदि।

(149)

conduct prior workshops/hand-holding sessions. The camps can be popularized among school students through poster and painting competitions, debates etc. eminent environmentalists, academics and NGOs working in this field could be associated with the summer camps.

4. For the purpose of monitoring the program, a nodal officer may be appointed and his/her coordinates may be shared with us by 30th April, 2024. The nodal officer will be the single point of contact for schools of your State in facilitating the programme. The officer will be responsible for furnishing data at https://docs.google.com/spreadsheets/dA3mepn-POg8gmyX5HR4D1Swob_0ztSgb15eQRBNrFMwo/edit?usp=sharing

Best wishes for better outcomes,

Yours sincerely,

Encl. As above

12/3/2024
(Sanjay Kumar)

1. Additional Chief Secretary/Principal Secretary/Secretary (School Education), All States and UTs.
2. Director, NCERT Sri Aurobindo Marg, New Delhi-110016
3. Chairperson, CBSE, Shiksha Kendra, 2, Community Centre, Preet Vihar, Delhi - 110092
4. Commissioner **Kendriya Vidyalaya Sangathan 18, Institutional Area Shaheed Jeet Singh Marg, New Delhi – 110016**
5. Commissioner, Navodaya Vidyalaya Samiti, B-15, Institutional Area, Sector 62, Noida, Uttar Pradesh 201307

    - Set up e-waste collection point in school to drop off old electronic gadgets.
  - School authorities may collaborate with authorized e-waste collectors for safe disposal of collected items and maintain record of the collected e-waste.
  - Schools may set up educational booths to show impact of e-waste on our planet.
  - *Metric; amount of e-waste collected and handed over to the authorised dealer (number/kg)*
- Reduce Waste
  - Organise cleanliness drives involving students and the community to inculcate responsibility towards the environment.
  - Teach waste segregation for appropriate waste disposal.
  - Install two-bin system in all classrooms - for wet and dry waste.
    - If the amount of wet waste generated is not high, a common wet waste bin can be kept for 3, 4 classrooms.
    - Sanitary waste bins can be kept in washrooms for used sanitary napkins, diapers, etc.
    - On each dustbin, paste prompts like 'What can go in?' that will help students decide what can go in each bin.
  - Construct compost pits in schools to encourage waste segregation and use compost generated in the kitchen garden of the school.
  - Organise recycled waste art contests in schools to promote 3Rs i.e reduce, reuse and recycling of waste.
  - Organise donation drives to donate old clothes, toys, furniture etc.
    - Collected items may be distributed to needy people in the community or handed over to an NGO.
  - Organise interaction sessions with the rack pickers/ small junk shop dealers from the nearby locality where students may ask questions regarding where the waste goes, how they segregate waste, how items are re-cycled etc.

Mertic; number of compost pits constructed, amount of organic waste generated.

- Save Energy
  - Encourage students to carry out energy saving activities like switching off tube-lights, bulbs, electronic gadgets when not in use.

- Generate awareness regarding the hazardous impact of single use plastic on our planet through activities eg. poster making, debates, slogan writing, essay writing etc.
- Put up the best posters on the school notice boards. (visual impact)
- Students may be involved in creating visual displays on school notice boards illustrating the effects of single-use plastic items.
- Awareness campaigns to mobilize the community for adapting ecofriendly habits like the use of jute bags, saying no to single use plastic, buying local and nature friendly goods and so on.

Metric; amount of single use plastic collected, number of plastic water bottles replaced etc,.

A nodal officer may be appointed at State to collate all the activity details and fill in the google tracker.

https://docs.google.com/spreadsheets/d/13mep-nPOg8gmyX5HR4D1Swob_0ztSgb15eQRBNrFMwo/edit?usp=sharing